DR.MALA KUMARI
ASSISTANT PROFESSOR (GUEST TEACHER)
DEPARTMENT OF PSYCHOLOGY
A.N.D COLLEGE SHAHPUR PATORY,SAMASTIPUR

B.A –PART 2 PSYCHOLOGY (HONS)
PAPER-3 ,UNIT-6,
TYPES OF DISSOCIATIVE DISORDERS
LECTURE-64

मनोविच्छेदी विकृति के प्रकार

TYPES OF DISSOCIATIVE DISORDER

मनोविच्छेदी विकृति के कई प्रकार है जिनमे निम्नांकित चार प्रमुख है –

1. **मनोविच्छेदी स्मृति लोप (DISSOCIATIVE AMENSIA)**
2. **मनोविच्छेदी आत्मविस्मृति (DISSOCIATIVE FUGUE)**
3. **मनोविच्छेदी पहचान विकृति (DISSOCIATIVE INDENTITY DISORDER DID)**
4. **व्यक्तित्व लोप विकृति (DEPERSONALIZATION DISORDER)**

इन सबो का वर्णन निम्नलिखित है –

मनोविच्छेदी स्मृति लोप

मनोविच्छेदी स्मृति लोप को पहले मनोजनिक स्मृति लोप कहा जाता था इस विकृति में रोगी अपने ऐसे महत्वपूर्ण व्यक्तिगत अनुभूतियों का प्रत्याह्वान पुर्णतः या अंशतः नहीं कर पाता है जिसका स्वरूप तनाव उत्पन्न करने वाला होता है या जो मानसिक आघात उत्पन्न किये होते है |इसमें रोगी का सामाजिक एवं अन्य दुसरे तरह के समायोजन पर बुरा प्रभाव परता है |स्मृति लोप के कई प्रकार होते है जिसमे निम्नांकित प्रमुख है –

1. पश्चगामी स्मृति लोप (RETROGRADE AMENSIA)-यह एक तरह का स्थानीकृत स्मृति लोप है जिसमे व्यक्ति मानसिक अधात उत्पन्न करने वाली घटना के ठीक पहले की अनुभूतियों को भूल जाता है |
2. उत्तर आघातीय स्मृति लोप (POST-TRAUMATIC AMENSIA)-इसमें व्यक्ति मानसिक अघात उत्पन्न करने वाली घटना के बाद की अनुभूतियों का प्रत्याह्वान नहीं कर पाता है अतः यह भी एक तरह का स्थानीकृत स्मृति लोप है |
3. अग्रगामी स्मृति लोप (ANTEROGRADE AMENSIA)-इसमें रोगी मानसिक आघात उत्पन्न होने के बाद के किसी अनुभूति का प्रत्याह्वान करने में अपने आप को असमर्थ पाता है |

4. चयनात्मक या श्रेणी वृद्धि स्मृति लोप (SELECTIVE OR CATEGORICAL AMENSIA)-इसमें रोगी किसी घटना से सम्वर्ध सूचनाओं का प्रत्याह्वान न करके कुछ ही सूचनाओं का प्रत्याह्वान करता है |
5. सामान्यकृत स्मृति लोप (GENERALIZED AMENSIA)-इसमें रोगी अपने पूरी जिन्दगी की घटनाओं का प्रत्याह्वान करने में अपने आप को असमर्थ पाता है |
6. सतत स्मृति लोप (CONTINUOUS AMENSIA)-इसमें रोगी ख़ास समय या बिंदु तक के ही अनुभूतियों का प्रत्याह्वान कर पाता है , इसके बाद के अनुभूतियों का नहीं|
7. क्रमबद्ध स्मृति लोप (SYSTEMATIZED AMENSIA)-इसमें रोगी कुछ विशेष श्रेणी की सूचनाओं का प्रत्याह्वान नहीं कर पाता है जैसे रोगी किसी व्यक्ति या किसी परिवार से सम्वद्ध सारे अनुभूतियों का प्रत्याह्वान करने में जब अपने आप को असमर्थ पाता है तो यह क्रमबद्ध स्मृति लोप का उदाहरण बनता है| इसमें से अंकित तीन लक्षणों को अधिक गंभीर माना गया है और यदि कोई व्यक्ति इन तीनो लक्षणों को दिखाता है तो यह समझा जाता है की उसका मनोविच्छेदी विकृति अधिक गंभीर है |मनोविच्छेदी स्मृति लोप बच्चो से लेकर व्यस्क में से किसी भी उम्र

समूह में होता है इसकी अवधि कुछ मिनट से लेकर कुछ वर्षो तक का हो सकता है |

मनोविच्छेदी आत्म विस्मृति

मनोविच्छेदी आत्म विस्मृति में व्यक्ति में स्मृति लोप के लक्षण तो होते ही है ,साथ ही साथ वह अपने घर या सामान्य निवास स्थान छोड़कर अचानक एवं अप्रत्याशित ढंग से दूर चला जाता है और वहां नया काम ,या नाम बता कर एक नयी जिन्दगी की शुरुआत करता है |कई दिन ,महिना तथा कभी-कभी साल बित जाने के बाद फिर रोगी अचानक अपने आप को नए जगह में पाकर आश्चर्य चकित रह जाता है और फिर वह नयी जिन्दगी के बारे में सबकुछ भूल जाता है उसे यह भी समझ में नहीं आता है की वह किसी तरह यहाँ आया था और क्यों आया था |अध्ययनों से यह स्पष्ट हुआ की मनोविच्छेदी आत्म विस्मृति की शुरुआत किसी-न-किसी ऐसी घटना के बाद होता है जिसे व्यक्ति को काफी अधिक तीव्र मात्रा में मानसिक आघात लगा हो ऐसे रोग के व्यक्ति प्रायः अपरिपक्कव ,आत्मकेंद्रित तथा काफी अत्यधिक सुझाव ग्रहणशील होते है | जब ऐसे व्यक्तियों को ऐसी दुखद परिस्थिति का सामना करना पड़ता है जिससे उसे छुटकारा पाना संभव नहीं है ,तो

उनमे मनोविच्छेदी आत्म-विस्मृति के रोग उत्पन्न होने की संभावना अधिक बढ़ जाती है प्रायः ऐसे व्यक्तियों में उन दुखद परिस्थितियों से उत्पन्न अनुभूतियों को भूल जाने की चेतन इच्छा एवं उस परिस्थिति से दूर हट जाने की इच्छा भी होती है परन्तु व्यक्ति को यह समाधान मान्य नहीं होता है |अन्ततोगत्वा ,तनावपूर्ण परिस्थिति या दुखद परिस्थिति इतना अधिक असहनीय हो जाता है की वे अपने व्यक्तित्व के सम्बंधित पहलू एवं उससे इच्छाओ को दमित कर देते है |यही दमन कुछ समय बीतने पर मनोविच्छेदी आत्मविस्मृति का कारण बनता है |

TO BE CONTINUED